सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 249 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 16 अक्टूबर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

जो हमारी निंदा करता है, उसे अपने ज्यादातर पास ही रखना चाहिए। वो तो बिना साबुन और पानी के हमारी कमियां बता कर हमारे स्वभाव को साफ करता है।

-कबीरदास

बेटियां पूछ रहीं सीएम ने क्यों बांटी... 7 | 24 की राह में पीएम मोदी को... 3 | राज्यों में पूरे दमखम से लड़ेंगे... 2

अखिलेश ने देवरिया में पीड़ित परिवारों के पोछे आंसू

दुबे व यादव परिवार से मिले पूर्व सीएम घटना स्थल का किया मुआयना, गांव के चप्पे-चप्पे पर रही पुलिस तैनात

फोटो: सुमित कुमार

» सपा प्रमुख ने कहा - दोनों के साथ नहीं होने देंगे अन्याय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देवरिया। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सीएम अखिलेश यादव सोमवार को देवरिया पहुंचे। पूर्व सीएम ने दोनों पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने इन परिवारों के बच्चों के दुख :दर्द को सुना और उनके आंसू पोछे। सपा प्रमुख ने पीड़ितों को ढांढस बढ़ाते हुए कहा कि दोनों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे।

इससे पहले वह फतेहपुर गांव में हुए सामूहिक हत्याकांड में पहले सत्यप्रकाश दूबे के घर गए। इसके बाद उन्होंने घटनास्थल का भी मुआयना किया। वहां से मृतक पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेम यादव के घर गए। बता दें कि पूर्व सीएम के आगमन के संबंध में रविवार की शाम से गांव के चप्पे-चप्पे पर सख्त पहरा लगा दिया गया था। देर शाम तक आईजी जे रविंद्र गौड़ ने रुद्रपुर कोतवाली में पुलिस कर्मचारियों के साथ बैठक की और कार्यक्रम का खाका तैयार किया था।

दो अक्टूबर को घटी थी घटना

दो अक्टूबर को फतेहपुर गांव के लहड़ा टोला में एक ही परिवार के पांच लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई। जिसमें सत्य प्रकाश दुबे एवं उनकी पत्नी किरण दुबे के अलावा सलोनी तथा नंदिनी एवं गांधी शामिल थे। इसके अलावा पूर्व जिला पंचायत सदस्य दबंग प्रेमचंद यादव की भी हत्या हुई थी ।

मैं घटना को नहीं भूल पा रहा हूं : देवेश दुबे

रामनाथ देवरिया में एक आवास में ठहरे देवेश ने बताया कि वर्ष 2014 में समाजवादी पार्टी की सरकार थी उसी वक्त हमारे पिता सत्य प्रकाश दुबे ने सरकार से गुहार लगाई थी कि हमारी भूमि जबरिया दबंग प्रेमचंद यादव द्वारा बैनामा कराया जा रहा है, लेकिन उस वक्त कोई सुनवाई नहीं हुई। देवेश का आरोप है कि दबंग प्रेमचंद यादव के दबाव में जमीन बैनामा करा दिया गया। उस घटना को भूल नहीं पा रहा। देवेश ने आरोप लगाया कि यदि अखिलेश यादव की सरकार में बैनामा नहीं हुआ होता तो यह नरसंहार नहीं होता। जब उनकी ही सरकार में मेरे परिवार के साथ उत्पीड़न हुआ तो किस मुंह से मुझसे मिलने के लिए आ रहे हैं। मैं उनसे किसी भी हाल में मिलने के लिए तैयार नहीं हूं। देवेश दुबे ने कहा कि समाजवादी पार्टी के लोग मुझसे मिलने के लिए आए थे उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव आपसे मिलना चाहते हैं लेकिन मैंने साफ-साफ आज निर्णय किया कि अखिलेश यादव से नहीं मिलेंगे। क्योंकि उनकी ही सरकार में हम लोगों के साथ ज्यादती हुई थी।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचे न्यूजक्लिक के संस्थापक प्रबीर

गिरफ्तारी के खिलाफ की अपील, दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज की याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

धारा 43बी के तहत कोई प्रक्रियात्मक खामी नहीं: कोर्ट

नई दिल्ली। पिछले हफ्ते, न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की अगुवाई वाली दिल्ली उच्च न्यायालय की पीठ ने कहा था कि उसे पुरकायस्थ और चक्रवर्ती की याचिकाओं में कोई योग्यता नहीं मिली और दोनों की गिरफ्तारी और उसके बाद पुलिस रिमांड में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

न्यूजक्लिक के संस्थापक प्रबीर पुरकायस्थ और कंपनी के एचआर प्रमुख अमित चक्रवर्ती ने दिल्ली उच्च न्यायालय के हालिया आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कड़े गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत एक मामले में गिरफ्तारी के खिलाफ उनकी याचिका खारिज कर दी थी। पिछले हफ्ते, न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की अगुवाई वाली दिल्ली उच्च न्यायालय की पीठ ने कहा था कि उसे पुरकायस्थ और चक्रवर्ती की याचिकाओं में कोई योग्यता नहीं मिली और दोनों की गिरफ्तारी और उसके बाद पुलिस रिमांड में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला ने कहा कि गिरफ्तारी के संबंध में कोई प्रक्रियात्मक कमजोरी या कानूनी या संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन नहीं है और रिमांड आदेश कानून में टिकाऊ है। अदालत ने याचिकाकर्ताओं की दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि यूएपीए लिखित आधार प्रस्तुत करने को अनिवार्य नहीं करता है और केवल गिरफ्तारी के कारणों के बारे में आरोपी को 'सूचित' करने की बात करता है। अदालत ने कहा कि यह 'सलाह' होगी कि पुलिस 'संवेदनशील सामग्री' को ठीक तरीके से पेश करने के बाद आरोपी को गिरफ्तारी का आधार लिखित रूप में प्रदान करे।

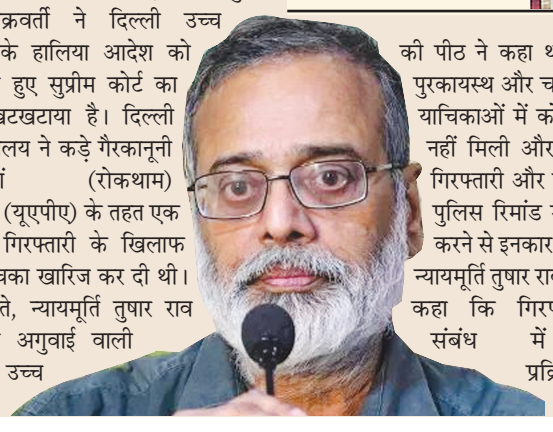

पोर्टल के संस्थापक की याचिका पर आदेश पारित करते हुए अदालत ने कहा कि याचिका में पुख्ता आधार नहीं होने के कारण लंबित आवेदनों सहित इसे खारिज किया जाता है। अदालत ने कहा कि पूरे मामले की सही परिप्रेक्ष्य में जांच करने के बाद, अब तक ऐसा प्रतीत होता है कि गिरफ्तारी के बाद याचिकाकर्ता को गिरफ्तारी के आधारों के बारे में यथाशीघ्र सूचित कर दिया गया था और इस तरह, यूएपीए की धारा 43बी के तहत कोई प्रक्रियात्मक खामी नहीं दिखती है या भारत के संविधान के अनुच्छेद 22(1) के प्रावधानों का उल्लंघन नहीं होता और गिरफ्तारी कानून सम्मत है।

निठारी कांड के आरोपियों की फांसी की सजा रद्द

» पंढेर और कोली इलाहाबाद हाईकोर्ट से बरी

» निचली अदालत ने सुनाई थी मौत की सजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निठारी कांड के आरोपी मोनिंदर सिंह पंढेर और सुरेंद्र कोली को बरी करने का आदेश दिया है। नोएडा के चर्चित निठारी कांड के आरोपी सुरेंद्र कोली को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दोषमुक्त कर दिया है, इसके साथ ही दोनों को मिली फांसी की सजा भी रद्द कर दी गई है। कई दिनों की सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। कोर्ट ने सोमवार को फैसला सुनाया।

न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एसएएच रिजवी की अदालत ने यह फैसला सुनाया। इस मामले पर विभिन्न खंडपीठों ने 134 दिन की लंबी सुनवाई की। फांसी के खिलाफ दोनों ने इलाहाबाद कोर्ट में दायर की थी याचिकानिठारी कांड में मुख्य अभियुक्त सुरेंद्र कोली और एक अन्य अभियुक्त मोनिंदर सिंह पंढेर को एक निचली अदालत ने फांसी की सज़ा सुनाई थी। इसके खिलाफ उसने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। सुरेंद्र कोली के साथ कोठी डी-5 के मालिक मोनिंदर सिंह पंढेर को भी कोर्ट ने बरी कर दिया है, कोली पर आरोप है कि वह पंढेर कोठी का केयरटेकर था और लड़कियों को लालच देकर कोठी में लाता था. निठारी गांव की दर्जनों लड़कियों गायब हो गई, वह उनसे दुष्कर्म कर हत्या कर देता था। इसके बाद लाश के टुकड़े कर बाहर फेंक आता था।

राज्यों में पूरे दमखम से लड़ेंगे चुनाव : सपा

» मप्र में सपा-कांग्रेस के उम्मीदवार आमने-सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी मध्य प्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ में पूरे दमखम के साथ उतरेगी। पार्टी ने राज्यों के पदाधिकारियों के साथ बैठक शुरू कर दी है। हालांकि इंडिया गठबंधन के तहत ही चुनाव लड़ने की तैयारी है पर मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा व कांग्रेस आमने-सामने हैं। मध्य प्रदेश में अब तक जारी उम्मीदवारों की सूची में पांच सीटों पर दोनों पार्टियां एक-दूसरे के खिलाफ संघर्ष करती नजर आएंगी। ये सीटें दलित, अल्पसंख्यक और यादव बहुल मानी जाती हैं। इंडिया गठबंधन में शामिल होने के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा था कि वह सीट बांटने वाले होंगे।

इसी रणनीति के तहत उन्होंने मध्य प्रदेश में उम्मीदवार उतारने की घोषणा की। इसे उनकी दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर देखा गया। उम्मीद थी कि लोकसभा चुनाव के समीकरण को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस मध्य प्रदेश में कुछ सीटें सपा को दे देगी, लेकिन अभी तक स्थितियां एकदम विपरीत हैं। कांग्रेस ने रविवार सुबह नौ बजे प्रदेश की 230 में 144 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की। करीब 10 घंटे बाद शाम पांच बजे सपा ने भी नौ उम्मीदवारों की घोषणा की। इसमें पांच सीटें ऐसी हैं, जहां कांग्रेस और सपा दोनों के उम्मीदवार आमने-सामने हैं। सपा की ओर से घोषित चार अन्य सीटों पर अभी कांग्रेस ने उम्मीदवार नहीं उतारे हैं। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि इन सीटों पर कांग्रेस के दो से तीन उम्मीदवारों के बीच जोर आजमाइश चल रही है। अगली सूची में इन पर उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए जाएंगे। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए सपा ने नौ प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है। इनमें तीन यादव समेत पांच ओबीसी, तीन दलित और एक ब्राह्मण प्रत्याशी हैं। हालांकि, यह सपा-कांग्रेस गठबंधन के तहत उतारे गए आधिकारिक प्रत्याशी नहीं हैं। इसलिए वहां गठबंधन की संभावनाओं में दरार पैदा होती हुई दिख रही है।सपा की ओर से जारी सूची के अनुसार, निवाड़ी से पूर्व विधायक मीरा दीपक यादव, राजनगर से बृजगोपाल पटेल उर्फ बबलू पटेल, भांडेर आरक्षित से सेवानिवृत्त जिला जज डीआर राहुल (अहिरवार), धौहानी आरक्षित सीट से विश्वनाथ सिंह मरकाम, चितरंगी आरक्षित सीट से श्रवण कुमार सिंह गोंड से मैदान में होंगे।

अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश के पदाधिकारियों के साथ बैठक की

कानून व्यवस्था के नाम पर जनता को ठगा जा रहा है : पल्लवी पटेल

अपना दल की नेता और सिराधू विधायक पल्लवी पटेल ने देवरिया कांड को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था के नाम पर उत्तर प्रदेश की जनता को ठगा जा रहा है। सबसे अधिक दलित और पिछड़े शोषित हो रहे हैं। पल्लवी पटेल ने उक्त बातें वाराणसी के आराजी लाइन ब्लॉक मुख्यालय पर आशा विश्वास ट्रस्ट, किशोरी युवा मंच, मनरेगा मजदूर यूनियन की ओर से आयोजित बालिका महोत्सव में कहीं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रदेश में लड़कियां आज सुरक्षित नहीं हैं। गलती कोई कर रहा है लेकिन लड़कियों को घर से निकलने पर पाबंदी लगाई जा रही है। वाराणसी पहुंची विधायक पल्लवी पटेल ने इस्राइल-फलस्तीन युद्ध पर कहा कि यह दो देशों के बीच नहीं बल्कि दो धर्मों के बीच युद्ध है। इसे उस नजरिए से देखना होगा। आगामी लोकसभा चुनाव पर कहा कि यह देश की दिशा बदलने वाला चुनाव है। सभी 28 संगठनों ने अपनी तैयारी की है। उत्तर प्रदेश की 80 सीटों पर चुनाव इंडिया एलायंस लड़ेगी। उन्होंने जातीय जनगणना के सवाल पर कहा कि बिहार सरकार का कदम स्वागत योग्य है। इसके पूर्व किशोरियों ने सामाजिक बुराइयों के खिलाफ रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया।

यूपी में सपा के साथ लोकसभा चुनाव लड़ेगी जदयू : ललन सिंह

जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ेगी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ चुनावी रैलियों में भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा धोखेबाज पार्टी है। वह लोगों की पीठ में छुरा भोंकती है। भाजपा से उनकी पार्टी का कोई वास्ता नहीं है। ललन सिंह मिर्जापुर के चंद्रदीपा स्थित जनता दल यूनाइटेड के शिविर कार्यालय में रविवार को पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन और नेतृत्व को लेकर कहीं कोई गलतफहमी नहीं है। नीतीश कुमार ही विपक्षी एकता के सूत्रधार हैं। विपक्ष के नेताओं पर ईडी की कार्रवाई के सवाल पर उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अपनी मर्जी के मुताबिक काम कर रही है। ललन सिंह ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में एनसीपी पर 71 करोड़ के घोटाले का आरोप लगाया गया, लेकिन 36 घंटे में ही भाजपा ने उनको अपनी वाशिंग मशीन में डालकर शुद्ध कर लिया। पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव के संबंध में उन्होंने कहा कि भाजपा सभी राज्यों में चुनाव हार रही है। तेलंगाना, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में वह हार रही है। तेलंगाना में तो वह कहीं है ही नहीं। इंडिया गठबंधन की ओर से प्रधानमंत्री के रूप में राहुल गांधी अथवा नीतीश कुमार को प्रोजेक्ट किए जाने संबंधी सवाल पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। इसी प्रकार हमास और इजरायल के बीच युद्ध के बारे में भी मौन रहे इसके पूर्व उन्होंने विंध्याचल जाकर मां विंध्यवासिनी का दर्शन-पूजन किया। सांसद ललन सिंह ने रविवार को काशी विश्वनाथ धाम में भी हाजिरी लगाई गई। इस दौरान पूर्व सांसद व जदयू के राष्ट्रीय महासचिव धनंजय सिंह मौजूद रहे।

अखिलेश पिछड़ों के बड़े नेता: निषाद

» बोले- देवरिया जैसे कांड नहीं होने चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के देवरिया में जमीन विवाद को लेकर हुए हत्याकांड को लेकर योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद का बयान सामने आया है। उन्होंने इस घटना की निंदा की और इसे विभत्स बताया, इस पर हो रही है राजनीति को लेकर उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वो पिछड़ों के बड़े नेता है, उन्हें वहां जाना चाहिए, लेकिन उन्होंने पिछड़ों के नाम पर वोट तो सबसे लिया और नौकरी सिर्फ अपने ही लोगों को दी।

अखिलेश यादव आज यानी सोमवार को देवरिया कांड में पीड़ित परिवारों से मिलने जा फतेहपुर गांव जा रहे हैं, इस बारे में जब मंत्री संजय निषाद से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को देवरिया जाना चाहिए, पिछड़ों के नेता हैं, बड़ी पार्टी के अध्यक्ष हैं, लेकिन एक बाद कहना चाहूंगा कि पिछड़ों के नाम पर उन्हें सबने वोट दिया था पर उन्होंने नौकरी सिर्फ अपने लोगों को ही दी।

जयराम को मैंने माफ कर दिया : धूमल

» बोले- मानहानि केस में कांग्रेस नेता ने जताया खेद

» मामले की सुनवाई 4 नवंबर को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हमीरपुर। हिमाचल हाईकोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल की ओर से वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश पर किया गया एक करोड़ रुपये का मानहानि केस जल्द खत्म हो सकता है। इस मामले की सुनवाई चार नवंबर को होगी। इस बारे में पूर्व सीएम धूमल का कहना है कि बीती सात अक्टूबर को कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने हमीरपुर के समीरपुर में उनसे मिलकर पूर्व में प्रेस वार्ता में लगाए आरोपों को वापस ले लिया है।

इसके लिए उन्होंने खेद भी जताया है और एक माफीनामा भी दिया है। मैंने भी उन्हें माफ कर दिया है। दरअसल जयराम रमेश ने 2 अगस्त 2015 को मीडिया में धूमल और उनके बेटे अनुराग ठाकुर पर गंभीर आरोप लगाए थे। धूमल ने इन आरोपों को झूठ और उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने वाला बताया था। जयराम रमेश के आरोपों के खिलाफ धूमल ने शिमला स्थित जिला अदालत में अपने अधिवक्ता सुधीर ठाकुर के माध्यम से मानहानि की याचिका दायर की थी। 11 सितंबर 2023 को हाईकोर्ट में पेश न होने पर जयराम रमेश पर 5,000 रुपये जुर्माना भी लग चुका है। 18 जनवरी 2003 को भी एक ऐसा ही मामला सामने आया था, तब पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा और मोतीलाल वोहरा ने भी धूमल के खिलाफ गलत आरोप लगाए थे।

तब मुख्यमंत्री धूमल ने अपने अधिवक्ता सत्यपाल जैन के माध्यम से प्रदेश उच्च न्यायालय में मानहानि याचिका दायर की थी। बाद में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री ने शिमला उच्च न्यायालय पहुंचकर धूमल से माफी मांगी थी। इसके बाद धूमल ने कैप्टन को माफ कर दिया था।

आठ दिन में सिर्फ तीन घंटे पूछताछ क्यों : रीना

» संजय सिंह मामले में आप ने ईडी की कार्रवाई पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने सांसद संजय सिंह को रिमांड में लेकर ईडी की ओर से पूछे गए सवालों पर प्रश्न उठाया है। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता रीना गुप्ता ने कहा कि ईडी ने संजय सिंह को आठ दिन रिमांड में रखा, लेकिन उनसे केवल तीन घंटे ही पूछताछ की। इससे भी बड़ा हास्यप्रद ये है कि ईडी ने उनसे अधिकतर गैर जरूरी प्रश्न किए। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने दिल्ली शराब घोटाला मामले में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया था।

उन्होंने ट्रायल कोर्ट द्वारा उन्हें दी गई रिमांड को भी चुनौती दी। ईडी ने आरोप लगाया है कि सिंह ने अब समाप्त हो चुकी दिल्ली शराब नीति को तैयार और लागू कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसका उद्देश्य कथित तौर पर कुछ शराब निर्माताओं, थोक और खुदरा विक्रेताओं को लाभ पहुंचाना था। वहीं सीएम अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर केंद्र की मोदी सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। बीते आठ सालों से मुझे झूठे केसों में फंसाने की कोशिश की जा रही है।

दिल्ली की स्पोर्ट्स पॉलिसी अन्य राज्य भी करेंगे लागू : केजरीवाल

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ऐसी पॉलिसी बना रही है कि बाकी राज्य भी कहेंगे कि पालिसी हो तो दिल्ली जैसी। बवाना स्थिति राजीव गांधी स्टेडियम में एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल दिलाने वाले कबड्डी खिलाड़ी पवन सहरावत के सम्मान समारोह में पहुंचे मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण दिल्ली के रहने वाले सहरावत ने अपनी कप्तानी में भारत को एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल दिलाया है। दिल्ली का मुख्यमंत्री होने के नाते मेरा भी सीना गर्व से चौड़ा हो गया है। केजरीवाल ने कहा कि बवाना में आकर मेरी पुरानी यादें भी ताजा हो गईं। अन्ना आंदोलन के दौरान राजीव गांधी स्टेडियम को जेल बनाया गया था और हमने यहां दो रातें काटी थी। यहीं पर बैठ कर हम क्रांतिकारी गीत गा रहे थे और रोटी खाई थी। गांवों में धारा-81 और 33 की समस्या रहती है। इसके लिए मैं काफी लड़ा हूं। हमने दो साल पहले विधानसभा में भी एक प्रस्ताव पारित किया था। फिर हमने केंद्र सरकार को भी भेजा, लेकिन हमारे हाथ में नहीं है। वो केंद्र सरकार और एलजी साहब के हाथ में है। मैं बीच-बीच में इस मुद्दे को उठाता रहता हूं और उठाता रहूंगा।

24 की राह में पीएम मोदी को मिलेंगे रोड़े ही रोड़े

पांच राज्यों के विस चुनावों के नतीजे तय करेंगे भविष्य, जनता के बीच प्रधानमंत्री की घट रही लोकप्रियता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जिस तरह सियासी माहौल देश में चल रहा है उससे तो ऐसा लग रही है कि 2024 लोकसभा की राह भाजपा के लिए आसान नहीं होगी। सर्वे भी दिखा रहे है कि 2014 व 19 की अपेक्षा प्रधानमंत्री व भाजपा के सबसे दिग्गज नेता नरेन्द्र मोदी को लोकप्रियता में कमी दिखाई दे रही है। पांच राज्यों में चुनाव की तारीखें घोषित होने के बाद मध्य प्रदेश, राजस्थान व तेलंगाना में पीएम के दौरे भी शुरू हो गए हैं पर वहां उतनी भीड़ नहीं दिखाई दे रही जितनी पिछले चुनाव में दिखती थी।

जानकार कहते है पार्टी विद द डिफरेंस कहने वाली पार्टी अटल-अडवाणी के युग से निकल कर मोदी-शाह के जमाने में आ गई है। इस दौर में उसके चाल-चरित्र में भी बदलाव आ गया है। जिस तरह से न खाऊंगा न खाने देने की बात करने वाले नरेन्द्र मोदी अब भ्रष्टाचारियों को अपनी पार्टी में शामिल कर रहे उससे उनका दोहरा चरित्र सामने आया उससे भी जनता उनसे दूर हो रही है। इसके अलावा वह जिस तरह से विपक्ष नेताओं पर जांच एजेंसियों के द्वारा छापे डलवा रहे वह उनकों नुकसान पहुंचा रहा है। खैर येतो विश्लेषण है पर असली फैसला तो जनता ही करेगी। अब आम मतदाता ही यह फैसला करेगा कि मोदी की कुर्सी बरकारा रहती है या विपक्ष का कोई पीएम बनता है।

भाजपा छत्रपों के बढ़ने का भी पड़ेगा असर

कांग्रेस से भाजपा में आए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा अपनी आक्रामक शैली को लेकर भाजपा नेताओं के बहुत प्रिय हो रहे हैं। मगर जिस तरह से वह भाजपा का कांग्रेसीकरण कर रहे हैं। उससे असम भाजपा के पुराने नेताओं में गहरी नाराजगी व्याप्त हो रही है। कभी चाल, चरित्र व चेहरा की बात करने वाली भाजपा में अब बड़े बदलाव की बयार चल रही है। इन दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक नई भाजपा बन रही है। पार्टी के सभी पुराने छत्रपों को एक-एक कर किनारे लगाया जा रहा है। प्रदेशों में भाजपा के बड़े नेताओं को सक्रिय राजनीति से दूर कर घर बैठा दिया गया है। जो थोड़े बहुत पुराने नेता अभी सक्रिय हैं उनको भी अगले लोकसभा चुनाव तक राजनीति से आउट कर दिया जाएगा। 2014 में जब नरेंद्र मोदी पहली बार देश के प्रधानमंत्री बने थे। तब पार्टी में बड़ी संख्या में बुजुर्ग नेताओं का दबदबा कायम था। लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, सुषमा स्वराज जैसे बड़े नेताओं की पार्टी में तूती बोलती थी। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद सबसे पहले लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी जैसे बड़े नेताओं को सक्रिय राजनीति से दूर किया गया था। उसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में भी बड़ी संख्या में पुराने नेताओं के टिकट काटकर उनके स्थान पर नए लोगों को आगे लाया गया था। कई प्रदेशों के विधानसभा चुनाव में भी वर्षों से जमे वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार कर नए लोगों को मुख्यमंत्री बनाया गया। अब ऐसा लगता है कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा पूरी तरह से बदल जाएगी। पार्टी नेतृत्व में ऐसे लोगों की बहुलता होगी जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना नेता मानते हैं।

संगठन का बहुत महत्व हो रहा कम

कभी भाजपा में संगठन का बहुत महत्व होता था। संगठन से जुड़े लोगों को ही राजनीति में आगे बढ़ने का अवसर मिलता था। मगर अब स्थिति उसके एकदम उलट हो गई है। आज पार्टी में संगठन का महत्व पहले की तुलना में कम हो गया है। भाजपा का अब एक ही ध्येय रह गया है कि जिताऊ प्रत्याशी को मैदान में उतार जाए। दूसरे दलों से आने वालों को पार्टी में महत्व मिल रहा है। इससे पार्टी के मूल कार्यकर्ता खुद को उपेक्षित महसूस करने लगे हैं। देश के पूर्वोत्तर में स्थित असम, त्रिपुरा, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री के पदों पर पार्टी ने दूसरे दलों से आए नेताओं को बैठा रखा है। हालांकि राजनीति के बदलते दौर में सभी दलों की यही स्थिति है। मगर भाजपा में ऐसा खेल कुछ ज्यादा ही चल रहा है। पंजाब में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए सुनील कुमार जाखड़ को तुरंत ही प्रदेश अध्यक्ष बना दिया गया है। वहीं झारखंड में बाबूलाल मरांडी को विधायक दल का नेता बना दिया गया है। हालांकि बाबूलाल मरांडी मूलत: भाजपा से ही जुड़े रहे थे। मगर पिछले कई वर्षों से वह भाजपा विरोध की राजनीति करते थे। यही स्थिति पश्चिम बंगाल में है। पहले कांग्रेस फिर तृणमूल कांग्रेस की राजनीति करने वाले शुभेंदु अधिकारी वहां पार्टी के मुख्य चेहरे व विधायक दल के नेता हैं।

कर्नाटक में भाजपा ने कांग्रेस व जनता दल एस की राजनीति कर चुके बसवराज बोम्मई को मुख्यमंत्री बनाया था। जिनके शासन ने वहां भ्रष्टाचार के पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। कर्नाटक में भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार सहित कई वरिष्ठ नेताओं के टिकट काटे थे। जिससे नाराज होकर कई नेताओं ने पार्टी से बगावत कर चुनाव लड़ा। फलस्वरूप भाजपा को वहां अपनी सरकार तो गंवानी ही पड़ी साथ ही पार्टी विधानसभा में 66 सीटों पर सिमट कर रह गई। कर्नाटक में पहले बीएस येदयुरप्पा के नेतृत्व में भाजपा की सरकार चल रही थी। मगर उन्हें हटाकर दूसरे दल से आए बसवराज बोम्मई को मुख्यमंत्री बनाने का खामियाजा भाजपा को सत्ता गंवा कर चुकाना पड़ा। आज कर्नाटक में भाजपा हाशिये पर पहुंच गई है।

आदिवासी वोट बैंक पर शिवराज व कमलनाथ की नजर

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बीजेपी और कांग्रेस दोनों का ही मुख्य फोकस आदिवासी मतदाता हैं। इसी क्रम में शिवराज सिंह चौहान ने कमलनाथ पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें आदिवासी विरोधी बताया है। मुख्यमंत्री शिवराज का कहना है कि कांग्रेस ने हमेशा आदिवासियों को अपमानित करने का ही काम किया है। इसी कांग्रेसी ने कभी आदिवासी जननायकों को सम्मान नहीं दे सके। टांट्या मामा हों, भीमा नायक, रघुनाथ साह, शंकर साह, रानी दुर्गावती हों, बिरसा भगवान हों, बीजेपी सभी के स्मारक बना रही है लेकिन कांग्रेस ने केवल एक परिवार के स्मारक बनवाए। वहीं, सीएम शिवराज ने यह भी कहा, ये कांग्रेस है, जिसने गरीब आदिवासी बहनों के पैसे बंद करने का

पाप किया है, साल 2017 से बीजेपी सरकार बेगा, भारिया और सहरिया समुदाय की महिलाओं के खाते में एक हजार रुपये प्रति माह डालती थी, लेकिन कांग्रेस ने इस योजना को बंद कर दिया था, साथ ही संबल योजना भी बंद कर दी। शिवराज सिंह चौहान ने दावा किया है कि बीजेपी गरीब भाइयों-बहनों को जूते-चप्पल पहना रही है, लेकिन इससे भी कांग्रेस को तकलीफ है, कोई बहन नंगे पांव तेंदूपत्ता तोड़ने जाती थी, उसके पैर में कंकर चुभते थे, जख्म होते थे. इसलिए बीजेपी ने उन्हें जूते-चप्पल दिए, लेकिन कांग्रेस के सीने में दर्द होने लगा। इसलिए अपनी सरकार में उन्होंने आदिवासियों को जूते-चप्पल पहनाना बंद कर दिए. पानी की कुप्पी देनी बंद कर दी। साड़ी देनी बंद कर दी और बीजेपी देती है तो तकलीफ होती है। सुन लें मैडम प्रियंका गांधी और कमलनाथ, हम सम्मान भी देंगे और सामान भी देंगे, हमारे दिल में आदिवासी भाई-बहनों के लिए जगह है.% उन्होंने कहा कि कमलनाथ ने लाडली बहना योजना बंद करने की भी तैयारी कर ली है. ट्वीट पर ट्वीट कर रहे हैं कि मामा चुपके से खातों में पैसा डालेंगे, सीएम शिवराज ने कहा कि कोई भी चलती हुई योजना बंद नहीं की जा सकती और लाडली बहना योजना 1.32 करोड़ बहनों का भाग्य है।

2024

के लोकसभा चुनाव के बाद पार्टी नेतृत्व में ऐसे लोगों की बहुलता होगी जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना नेता मानते हैं

कांग्रेस व इंडिया गठबंधन ने झोंकी पूरी ताकत

राहुल, पवार, उद्धव अखिलेश व लालू बीजेपी को घेरने में जुटे

दिग्गजों की नाराजगी भी देगी झटका

मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, कैलाश मेघवाल, देवीसिंह भाटी, त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री विप्लव कुमार देव, पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद मेनका गांधी, महाराष्ट्र में पंकजा मुंडे, हरियाणा में पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी वीरेंद्र सिंह, दिल्ली में पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल जैसे कई प्रभावशाली नेता पार्टी में लगातार हो रही अपने उपेक्षा से नाराज हैं। मध्य प्रदेश में उमा भारती ने तो खुलेआम ऐलान कर दिया है कि वह अभी राजनीति में पूरी तरह से सक्रिय रहेंगी तथा अगला चुनाव भी लड़ेंगी। उमा भारती तो यहां तक बोल गईं कि किसी में हिम्मत नहीं है जो उसे अगला चुनाव लड़ने से रोक सके। राजस्थान विधानसभा के चुनाव में वसुंधरा राजे भी अपने अपेक्षा से नाराज नजर आ रही हैं। उनके कट्टर समर्थक कैलाश मेघवाल को पार्टी ने निलंबित कर दिया है। उनके समर्थक विधायकों को भी अपना टिकट कटने की संभावना लग रही है। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने पिछले दिनों बयान देकर अपनी उपेक्षा करने पर नाराजगी जाहिर की थी। मेनका गांधी के सांसद पुत्र वरुण गांधी अक्सर पार्टी लाइन से हटकर बयान बाजी करते रहते हैं। भाजपा में वरिष्ठ नेताओं को जिस गति से किनारे लगाया जा रहा है। उससे लगता है आने वाले समय में सभी वरिष्ठ नेता सक्रिय राजनीति से दूर कर दिए जाएंगे।

महाराष्ट्र में शिवसेना को सत्ता से हटाने की भी होगी हानि

इसी तरह महाराष्ट्र में शिवसेना को सत्ता से हटाने के लिए भाजपा ने जो हथकंडे अपनाये हैं उसका खामियाजा उन्हें आगे आने वाले चुनाव में उठाना पड़ेगा। महाराष्ट्र में शिवसेना को तोड़कर भाजपा ने सरकार तो बना ली मगर वहां मुख्यमंत्री शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे को बनाकर अपने ही पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को तगड़ा झटका दिया है। फिर से मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे फडणवीस को उपमुख्यमंत्री बनाकर पार्टी ने उनका कद कम कर दिया है। रही सही कसर वहां अजीत पवार को भी गठबंधन में शामिल करने से पूरी हो गई है। भाजपा के जो विधायक मंत्री बनने का सपना देख रहे थे। गठबंधन बनने से अब उनका सपना कभी पूरा नहीं होगा। अगले लोकसभा व विधानसभा चुनाव में भाजपा कर्नाटक की तरह महाराष्ट्र में भी बहुत कमजोर हो जाएगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

एम्स के शोध में चौंकाने वाली जानकारी

कोरोना खत्म हो चुका है, लेकिन दूसरी लहर में डेल्टा वैरिएंट के संक्रमण के दौरान कोरोना के भयावहता को याद करके लोग अब भी कांप उठते हैं, जब अस्पतालों में मरीजों को बेड नहीं मिल पा रहे थे। अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी हो गई थी। लोग अस्पताल में इमरजेंसी के बाहर दम तोड़ रहे थे। चिकित्सा जगत में पहली और दूसरी लहर में कोरोना का कहर अब भी अध्ययन का विषय बना हुआ है।

एम्स के शोध में एक चौंकाने वाली जानकारी प्राप्त हुई है। जिसमें कोरोना के दौरान हुए मौतों पर अध्ययन किया गया है। इसमें डॉक्टरों ने कोरोना की लहर को लेकर तुलनात्मक अध्ययन किया है। इसमें सामने आया है कि दूसरी लहर में कोरोना के कारण 12 गुना ज्यादा मौतें हुई थीं। दूसरी लहर में 61.1 प्रतिशत मृतकों को ही को-मार्बिडिटी (कोई पुरानी बीमारी) थी। लिहाजा काफी ऐसे मरीजों ने जान गंवाई जिन्हें पहले से कोई बीमारी नहीं थी। इस रिसर्च के बाद सरकार को भी एक जानकारी हासिल हई है। हालांकि ईश्वर न करे ऐसी महामारी दुबारा आए। फिर भी इस रिसर्च के बाद स्वास्थ्य से जुड़ी संस्थाओं को ऐसे उपकरण व चिकित्सकीय व्यवस्था बनानी होगी ऐसे विकट समय पर मानवीय जिंदगियों को बचाया जा सके।

कोरोना खत्म हो चुका है, लेकिन दूसरी लहर में डेल्टा वैरिएंट के संक्रमण के दौरान कोरोना के भयावहता को याद करके लोग अब भी कांप उठते हैं, जब अस्पतालों में मरीजों को बेड नहीं मिल पा रहे थे। अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी हो गई थी। लोग अस्पताल में इमरजेंसी के बाहर दम तोड़ रहे थे। चिकित्सा जगत में पहली और दूसरी लहर में कोरोना का कहर अब भी अध्ययन का विषय बना हुआ है। एम्स के डॉक्टरों का यह अध्ययन हाल ही में क्यूरियस जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित हुआ है। कोरोना के दौरान एम्स ने राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआइ) को कोविड अस्पताल बनाया था। पहली लहर में मार्च 2020-दिसंबर 2020 के बीच इस अस्पताल में कोरोना के 6,333 और अप्रैल 2021-जून 2021 के बीच इस अस्पताल में 2,080 मरीज भर्ती हुए थे। इन पर तुलनात्मक अध्ययन में पाया गया कि पहली लहर के दौरान अस्पताल में भर्ती कुल 2.4 प्रतिशत मरीजों की मौत हुई। जबकि दूसरी लहर में 20.3 प्रतिशत मरीजों की मौत हुई थी। पहली लहर में कोरोना करीब डेढ़ प्रतिशत मरीजों की मौत का कारण बना था। जबकि दूसरी लहर में यह 17.7 प्रतिशत मरीजों की मौत का कारण बना। अध्ययन में शामिल एक डॉक्टर ने बताया कि पहली लहर में 90.4 प्रतिशत मृतकों को कोरोना के अलावा कोई दूसरी गंभीर पुरानी बीमारी भी थी। जो लोग पहले से स्वस्थ थे उनको कोरोना से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ था। लेकिन दूसरी लहर में 61.1 प्रतिशत मृतकों को ही को-मार्बिडिटी (कोई पुरानी बीमारी) थी। लिहाजा काफी ऐसे मरीजों ने जान गंवाई जिन्हें पहले से कोई बीमारी नहीं थी। कोरोना के कारण फेफड़े में संक्रमण और सांस की परेशानी के कारण मौत के शिकार हुए। पहली लहर में सिर्फ 9.6 प्रतिशत मरीजों को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ी थी। दूसरी लहर में 42.8 प्रतिशत मरीजों को आक्सीजन की जरूरत पड़ी। इस तरह दूसरी लहर में पहली लहर की तुलना में करीब साढ़े चार गुना अधिक मरीजों को आक्सीजन की जरूरत पड़ी थी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जीवन लीलती शिक्षा को खारिज करने का वक्त

अविजित पाठक

इन दिनों मुझे अत्यंत व्याकुलता का सामना कर पड़ रहा है। क्या हम छात्रों द्वारा आत्महत्याएं को एक आम बात समझकर रफा-दफा कर रहे हैं या फिर यह मानने लगे कि शिक्षा प्राप्ति एवं इससे संलग्न सफलता की दौड़ में यह तो रहता है। कुछ कमजोर और भावनात्मक रूप से नाजुक युवा हताशा में अपनी जान दे देते हैं? विश्वास कीजिए, मैं अक्सर मध्य-वर्गीय अभिभावकों और यहां तक कि अध्यापकों से इस विषय में बात करने का प्रयास करता हूं कि इस किस्म की पढ़ाई, शिक्षा की असल आत्मा को मार रही है और इससे सामाजिक विक्षिप्तता का सामान्यीकरण हो रहा है। मैं उन्हें राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो के आंकड़ों के जरिये समझाने की कोशिश करता हूं कि वर्ष 2021 में 13089 छात्रों ने खुदकुशी की (औसतन 35 से अधिक प्रतिदिन)। फिर भी वे मानने को राजी नहीं। यह रवैया वर्तमान में पर्यावरण पर बन आए संकट की अलफ सच्चाई से मुंह मोड़ने जैसा है।

आईआईटी संस्थानों के दिए आंकड़े के मुताबिक 2018-23 के बीच 33 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की है और एनआईटी और आईआईएम में यह गिनती 61 है। इतना होने पर भी हमने इस विषय पर चुप्पी साधने की ठान रखी है या इसको एक अन्य भ्रंश की तरह लेते हैं। माल बनाने वाली फैक्टरियों सरीखे कोचिंग केंद्रों के लिए कुख्यात राजस्थान का शहर, कोटा जहां 'सफलता का स्वप्न' बेचा जाता है, उससे हमारा नाता दिनों-दिन बढ़ रहा है, भले ही इस साल जनवरी से अगस्त माह के बीच भी, हर महीने खुदकुशी का औसत तीन रहा है।

बेशक, मुझे जीवन को नकारात्मक बनाने वाली इस अंधी दौड़ के पीछे ढांचागत और सामाजिक कारणों का बखूबी भान है। यानी, अत्यधिक जनसंख्या वाले मुल्क में नौकरियों की भारी कमी, नौकरी मिलने की संभावना में कला संकाय से हुई पढ़ाई को दोयम मानना और इसके नतीजे में इंजीनियरिंग, मेडिकल साइंस, बिजनेस मैनेजमेंट और अन्य तकनीकी कोर्सों के लिए बनी आसक्ति। संस्कृति और शिक्षा पर नव-उदारवाद की चोट से जीवन-आकांक्षा का बाजारीकरण और सबसे ऊपर, अत्यंत-प्रतिस्पर्धात्मकता या सामाजिक डार्विनवाद को स्वीकार्यता अर्थात अन्यायी सामाजिक व्यवस्था में श्रेष्ठता या 'श्रेष्ठम ही जीने लायक' के सिद्धांत को मान्यता देकर जीवन का अंग बना डालना। इस पर चुप्पी साधकर हम व्यवस्था का ऐसा सामान्यीकरण होना गवारा नहीं कर सकते। बतौर एक अध्यापक, मैं महसूस करता हूं कि हमें इस

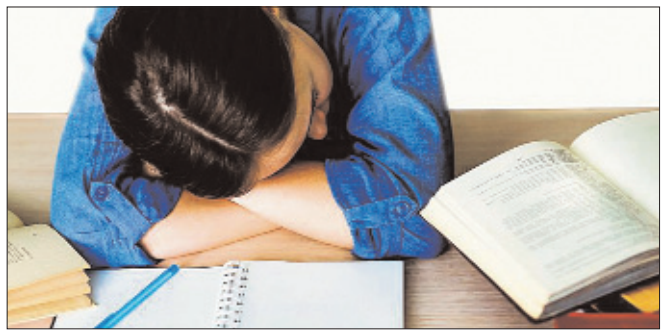

ढंग की शिक्षा व्यवस्था का आलोचक और नई संभावनाओं को तलाशने वाला बनना चाहिए। शिक्षा बचाओ आंदोलन किए बिना जड़ पकड़ चुकी व्यवस्था को बदला नहीं जा सकता। बेशक, हर छात्र आत्महत्या से नहीं मरा होगा, लेकिन फिर यह भी उतना ही सच है कि लगभग प्रत्येक युवा विद्यार्थी, जो इस शिक्षा प्रणाली का हिस्सा है, वह ऐसे माहौल में बड़ा हो रहा है जो मानसिक तनावों, अवसाद और विफलता के डर में बढ़ोतरी के लिए मुफीद है। वर्तमान व्यवस्था वह है, जिसे अर्थपूर्ण जीवन, प्रेम और सहयोग, नैतिकता, जीवनकाल के उतार-चढ़ावों का निश्चयपूर्ण सामना करने और शांत बने रहने की काबिलियत को सिखाने में जरा रुचि नहीं रखनी है। न ही ऐसी मानसिकता बनाने में, जो बच्चे को जीवन की सरलता में असली खजाना खोजने लायक बनाए, मसलन, नन्हे से पीले फूल पर अठखेलियां करती तितली के नजारे का आनन्द लेना, बुजुर्ग दादी मां के लिए चाय बनाना, खुशियों के पल उनसे साझा करना या फिर सर्दी की रात में रजाई में बैठकर कोई नॉवेल पढ़ना। इसके बरक्स मौजूदा शिक्षा प्रणाली तमाम पवित्र आकांक्षाओं और सपनों को मार रही है, यह युवा मानस को वह घोड़ा बना रही है, जो निरर्थक दौड़ में भागता रहे।

स्कूल से लेकर उद्योग सरीखे बने कोचिंग केंद्रों तक, हमने अपनी शिक्षा का मतलब मानकीकृत परीक्षाओं में उत्तीर्ण करने वाली रणनीति बना दिया है। महान किताबें पढ़ने का आनंद, नूतन विचारों की खोज, विचार-विमर्श, विज्ञान-प्रयोगों से सीखना, साहित्य और कला आधारित पढ़ाई की जगह प्रवेश और मुख्य परीक्षाओं और इनकी तैयारी को अधिक महत्व देने से असली सिखलाई प्रभावित हुई है। आज अगर कुछ महत्वपूर्ण है तो दक्षता व सरपट गति, ताकि ओएमआर शीट पर सही उत्तर के खाने पर तेजी से निशान लगाने की काबिलियत बने।

जी हां, ऐसा मानस सौंदर्य-बोध, सृजनशीलता और उत्कंठा से विहीन हो जाता है। जिस किस्म की बुद्धिमत्ता को भाव दिया जा रहा है, वह पूर्णतया मशीनी है, जिसमें कोई सृजनशील कल्पना या दर्शन के प्रति जिज्ञासा नहीं है। आप कोचिंग केंद्र के किसी रणनीतिकार से यह अपेक्षा नहीं कर सकते कि वह बच्चे को सूर्यास्त का नज़ारा, कविता पढ़ने का आनंद या प्रेरक फिल्म की सराहना करना सिखाएगा। वह प्रशिक्षक तो केवल आपके बच्चे को और तेज दौड़ना, दूसरों को पछाड़ना, भौतिकी या गणित को केवल प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने का औजार बनाना, आईआईटी-जेईई और नीट जैसी परीक्षा में प्राप्त स्थान से अपनी काबिलियत आंकने वाली मानसिकता ही बना सकता है।

नारी समता अभी भी महज मृग मरीचिका

नारी साक्षरता दर तथा प्राथमिक शिक्षा के विषय में भले ही हम 25 अन्य देशों सहित संयुक्त रूप से पहले नंबर पर हों किंतु कदाचित बात रोजगार अवसरों की हो तो देश का एक बड़ा प्रतिशत इससे वंचित है। किसी भी रूप में नारी शोषण-उत्पीड़न तथा उसके विरुद्ध आपराधिक एवं दुष्कर्म मामलों का प्रतिपल संज्ञान लिया जाए तो हृदय दहल जाता है। विचारणीय है, जब नारी की कार्यक्षमता व सोच पर दबाव बनाकर उसे महज एक कठपुतली की भांति प्रयुक्त किया जाए तो स्थिति में सुधार आने की गुंजाइश ही कहां रह जाती है?

दीपिका अरोड़ा

आखिरकार लोकसभा-राज्यसभा में पारित हुआ 'नारी शक्ति वंदन बिल', राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिलने के उपरांत कानून बन चुका है। निश्चय ही प्रेरक पहल के तौर पर यह एक सराहनीय विषय है, वर्षों से उठती चली आई मांग अंतत: किसी निर्णायक मोड़ तक तो पहुंची। विश्लेषण करें तो महिलाओं के नेतृत्व में होने वाला समावेशी विकास दूरगामी प्रभावों के साथ क्रांतिकारी परिवर्तन के लिए एक उत्प्रेरक है जो युग-युगांतर प्रतिध्वनित होता है। नारी नेतृत्व क्षमता में अपार मानसिक सुदृढ़ता के साथ कोमल भावनाएं समाविष्ट होने के कारण न्यायिक प्रतिबद्धता को अपना यथेष्ट स्थान मिलने की संभावनाएं भी प्रबल रहती हैं।

स्वतंत्रता के सात दशक बाद भी समता के नाम पर, देश की आधी आबादी को 50 फीसदी की अपेक्षा सिर्फ 33 फीसदी अधिकार मिलना खलता तो अवश्य है किंतु महिला प्रतिनिधित्व बढ़कर एक-तिहाई होने से वर्तमान समाज में फैली नारी उत्पीड़न समस्याओं में विशेष सुधार होने की आस जगना भी अपने आप में कम महत्वपूर्ण उपलब्धि नहीं।

खैर, बदलते समय की इस चिर-प्रतीक्षित आहट से समाज में नारी की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर होने की उम्मीद भले प्रबल हुई हो किंतु यदि नर-नारी समानता को वर्ल्ड इकोनॉमिक फ़ोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट-2023 के अनुमानित दृष्टिकोण से देखा जाए तो भारत की महिलाओं को पुरुषों के समकक्ष आने में अभी 149 वर्ष लगेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर भी लैंगिक भेदभाव के समापन में अभी 131 साल बाकी हैं। वर्ष 2006 से 2023 के दौरान लैंगिक समानता में केवल चार फीसदी सुधार होने का अनुमान है। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर समानता सिर्फ 68 फीसदी तक पहुंच बना पाई, जबकि भारत में इसकी मौजूदा स्थिति 64 फीसदी है। धीमी गति के चलते वर्ष 2154 से पूर्व इसका 100 फीसदी तक पहुंच पाना मुश्किल है, जबकि भारत को इस संदर्भ में 18 वर्ष अतिरिक्त लगेंगे।

वैतनिक समानता के अधिकार को झुठलाती रिपोर्ट बताती है कि वर्क फोर्स में महिलाओं की 37 फीसदी प्रतिभागिता सहित हम 139वें स्थान पर हैं। समान कार्य के लिए महिलाओं को पुरुषों के समान वेतन देने की बात करें तो इस संबंध में वैश्विक स्तर पर हमारा देश अभी 116वें पायदान पर है। महिला-पुरुष की अनुमानित आय में मौजूद अंतर देखा जाए तो हम 141वें स्थान पर आते हैं। जन्म के समय लिंगानुपात में हम 140वें तथा स्वस्थ जीवन जीने में 137वें रैंक पर हैं। रिपोर्ट खुलासा करती है, महिलाओं को पुरुषों के मुकाबले आर्थिक समानता पाने में 169 वर्ष लग सकते हैं तथा राजनीतिक समानता प्राप्ति हेतु 162 वर्ष प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है। संसद में महिला प्रतिभागिता की बात करें तो हमारा देश 117वें स्थान पर आता है। महिला मंत्रियों के अनुपात में हम 146 देशों की सूची में 132वें स्थान पर हैं। देश की केवल 17 फीसदी कंपनियों के बोर्ड में महिलाएं हैं। मात्र 2 फीसदी कंपनियों में ही महिला-स्वामित्व पाया गया।

नारी साक्षरता दर तथा प्राथमिक शिक्षा के विषय में भले ही हम 25 अन्य देशों सहित संयुक्त रूप से पहले नंबर पर हों किंतु कदाचित बात रोजगार अवसरों की हो तो देश का एक बड़ा प्रतिशत इससे वंचित है। किसी भी रूप में नारी शोषण-उत्पीड़न तथा उसके विरुद्ध आपराधिक एवं दुष्कर्म मामलों का प्रतिपल संज्ञान लिया जाए तो हृदय दहल जाता है। निश्चय ही नारी प्रतिनिधित्व में बढ़ोतरी से स्थिति सुधरने की कामना कर सकते हैं किंतु चाहकर भी उन तथ्यों को नहीं नकार सकते जो प्रथम दृष्टया ही नारी प्रतिनिधित्व पर पुरुषत्व हावी होने का अंदेशा दे जाते हैं। कतिपय अपवाद छोड़ दें तो बहुधा देखने में आया कि प्रतिनिधित्व की कमान नारी के हाथ में होने के बावजूद कमांड किसी पारिवारिक अन्य पुरुष की ही चलती है। विचारणीय है, जब नारी की कार्यक्षमता व सोच पर दबाव बनाकर उसे महज एक कठपुतली की भांति प्रयुक्त किया जाए तो स्थिति में सुधार आने की गुंजाइश ही कहां रह जाती है? नारी की प्रतिभा का सही उपयोग तो तभी हो सकता है, जब उसे साधिकार स्व-निर्णय लेने हेतु प्रोत्साहित किया जाए।

नारी के प्रति सामाजिक सोच का दायरा बढ़ाए बिना समानता की कल्पना करना मात्र एक मृगमरीचिका है। दो आवश्यक शर्तों के आवरण में प्रदत्त 'नारी शक्ति वंदन कानून' के लागू होने की राह भी भला कहां इतनी सरल है? दीर्घकाल से लंबित जनगणना पूर्ण होने एवं संविधान के अनुच्छेद 82 के तहत परिसीमन; दोनों ही मुद्दों को लेकर कई विवाद हैं। इंडिया गठबंधन द्वारा जातिगत गणना की मांग के रूप में एक अन्य अवरोधक उठ खड़ा हुआ है। नारी सशक्तीकरण के अंतर्गत शृंखलाबद्ध प्रयास से यह कानून देश में कब और कितना सार्थक परिवर्तन लाएगा एवं कब तक आधी आबादी की समता को पूर्णता तक पहुंचाएगा, यह तय होने में तो संभवत: काफी समय लग सकता है। फिलहाल तो यही देखना है, सशर्त लागू होने की मांग उठाता यह आरक्षण विधेयक नारी प्रतिनिधित्व को समता के अंतिम सोपान तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगा अथवा अन्य कई कानूनों की भांति मात्र एक चुनावी जुमला भर बनकर रह जाएगा!

अंडे

अंडों में प्रचुर मात्रा में प्रोटीन और विटामिन-डी पाया जाता है, जो शरीर में कैल्शियम के अब्जॉर्बशन के लिए जरूरी माना जाता है, इससे हड्डियां भी मजबूत होती हैं। अंडे में प्रोटीन, पोषक तत्व, विटामिन और खनिज, अंडे की जर्दी और सफेद दोनों में मौजूद होते हैं।

एवोकाडो

मोनोसैचुरेटेड फैट्स से भरपूर एवोकाडो आपके दिल को हेल्दी रखता है, इसमें पोटैशियम भी पाया जाता है, जिससे ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है।

हरी सब्जियां

पालक, केल आदि में पचुर मात्रा में विटामिन-के पाया जाता है, जो हड्डियों को मजबूत रखता है। इसमें कैलोरी की मात्रा कम होती है, जिससे वजन कंट्रोल रहता है। अगर आप नियमित रूप से हरी सब्जियां खाते हैं तो यह आपके चेहरे का ग्लो बढ़ाने में बहुत काम करेगी। हरी सब्जियों में विटामिन के होता है जिससे हड्डियां मजबूत होती हैं और बढ़ती उम्र का असर भी कम हो जाता है। इसमें मौजूद मिनरल्स किडनी और नाड़ी के लिए भी खूब फायदेमंद है।

खाएं हेल्दी ब्रेकफास्ट

दिल के साथ हड्डियां भी रहेंगी मजबूत

ब्रेकफास्ट दिन का सबसे महत्वपूर्ण मील होता है। कहते हैं ब्रेकफास्ट हेवी करना चाहिए ताकि दिनभर इंसान एनर्जी से भरपूर रहे। ब्रेकफास्ट हेवी होने के साथ-साथ हेल्दी भी होना चाहिए ताकि शरीर को पूरा पोषण मिल सके। मॉर्निंग वॉक के बाद ब्रेकफास्ट बेहद जरूरी माना जाता है। वॉक के बाद एक हेल्दी और न्यूट्रिशियस ब्रेकफास्ट करने से दिल के साथ-साथ हड्डियों को मजबूती मिलती है। अगर आप इन चीजों को अपनी डाइट में शामिल करेंगे तो आपके शरीर को भरपूर पोषण प्राप्त होता है।

साल्मन

साल्मन मछली ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होती है। जो शरीर को दिल की बीमारी के खतरे से बचाता है, साथ ही हड्डियां भी मजबूत होती हैं।

मल्टी ग्रेन ब्रेड

ब्रेकफास्ट के लिए आप मल्टी ग्रेन ब्रेड का चुनाव कर सकते हैं। इसमें प्रचुर मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो पाचन तंत्र के साथ-साथ दिल के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। मल्टीग्रेन ब्रेड खाने पर इसकी फाइबर सामग्री हमारे पेट को लंबे समय तक भरा रखती है और हमारी भूख को भी कम करती है जिसके परिणामस्वरूप अंततः वजन कम होता है और वजन प्रबंधन होता है।

नट्स

नट्स जैसे बादाम, अखरोट, चिया सीड्स भी खाने में जरूर शामिल करें, इसमें फाइबर, फैट्स और कैल्शियम की अच्छी मात्रा पाई जाती है। जिससे दिल के साथ-साथ शरीर भी स्वस्थ रहता है। नट्स बहुत हेल्दी स्नैक्स ऑप्शन हैं। ये बाइट-साइज स्नैक्स दिल को स्वस्थ बनाने वाले फैट्स, विटामिन और प्रोटीन से भरपूर होते हैं। नट्स आपके पूरे स्वास्थ्य को बढ़ाने में मदद करते हैं और विशेष रूप से दिल के रोगों के रिस्क को कम करने में सहायक होते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि नट्स न्यूट्रिशन के पॉवरहाउस होते हैं जो शरीर की पोषण जरूरतों को पूरा कर सकते हैं।

हंसना मना है

बापः मेरे 4 बच्चे है, पहला एमबीए, दूसरा एमसीए, तीसरा पीएचडी, चौथा चोर है। फ्रेंडः चोर को घर से निकालते क्यू नहीं? बापः वही तो कमाता है, बाकी सब बेरोजगार है।

संता- यार मुन्नू, पत्नी को बेगम क्यों कहा जाता है? बंता- क्या है की शादी के बाद, सारे गम पति के हो जाते है। तो पत्नी बेगम हो जाती है।

रुपेशः पापा मुझे एक लड़की पसंद है, मैं उससे शादी करना चाहता हूं, पापाः क्या वो भी तुझे पसन्द करती है? रुपेशः हां जी हां.. पापाः जिस लड़की की पसन्द ऐसी हो मैं उसे अपनी बहू नहीं बना सकता।

सरदार दुखी था। किसी ने पुछाः क्यों टेंशन मे हो? सरदारः यार एक दोस्त को प्लास्टिक सर्जरी के लिए 2 लाख दिए, अब साले को पहचान नहीं पा रहा हूं।

पहला दोस्त- यार मैंने अपनी बहन की डायमंड रींग चुराकर गर्लफ्रेंड को दे दी, दुसरा दोस्त- हरामखोर, दो दिन पहले खरीदकर दी थी तेरी बहन को, पहला दोस्त- अबे मारता क्यों है बे साले तेरी बहन को ही तो दी है।

लड़की- कितना प्यार करते हो मुझसे? लड़का-शाहजहां जैसा, लड़की-तो ताजमहल बनवाओ, लड़का- जमीन खरीद ली है, बस तुम्हारे मरने का इंतज़ार कर रहा हूं।

कहानी — आधा इनाम

यह बात तब की है जब शहंशाह अकबर और बीरबल की पहली मुलाकात हुई थी। उस समय सभी बीरबल को महेश दास के नाम से जानते थे। एक दिन शहंशाह अकबर बाजार में महेश दास की होशियार से खुश होकर उसे अपने दरबार में इनाम देने के लिए बुलाते हैं और निशानी के तौर पर अपनी अंगूठी देते हैं। कुछ समय के बाद महेश दास सुल्तान अकबर से मिलने का विचार बनाकर उनके महल की ओर रवाना हो जाते हैं। वहां पहुंचकर महेश दास देखते हैं कि महल के बाहर बहुत लंबी लाइन लगी हुई है और दरबान हर व्यक्ति से कुछ न कुछ लेकर ही उन्हें अंदर जाने दे रहा है। जब महेश दास का नंबर आया, तो उसने कहा कि महाराज ने मुझे इनाम देने के लिए बुलाया है और उसने सुल्तान की अंगूठी दिखाई। दरबान के मन में लालच आ गया और उसने कहा कि मैं तुम्हें एक ही शर्त पर अंदर जाने दूंगा अगर तुम मुझे इनाम में से आधा हिस्सा दो तो। दरबान की बात सुनकर महेश दास ने कुछ सोचा और उसकी बात मानकर महल में चले गए। दरबार में पहुंचकर वह अपना नंबर आने का इंतजार करने लगे। जैसे ही महेश दास की बारी आई और वो सामने आए, तो शहंशाह अकबर उन्हें देखते ही पहचान गए और दरबारियों के सामने उनकी बहुत तारीफ की। बादशाह अकबर ने कहा कि बोलो महेश दास इनाम में क्या चाहिए। तब महेश दास ने कहा कि महाराज मैं जो कुछ भी मांगूगा क्या आप मुझे इनाम में देंगे? बादशाह अकबर ने कहा कि बिल्कुल, मांगों क्या मांगते हो। तब महेश दास ने कहा कि महाराज मुझे पीठ पर 100 कोड़े मारने का इनाम दें। महेश दास की बात सुनकर सभी को हैरानी हुई और बादशाह अकबर ने पूछा कि तुम ऐसा क्यों चाहते हो। तब महेश दास ने दरबान के साथ हुई पूरी घटना बताई और अंत में कहा कि मैंने वादा किया है कि इनाम का आधा हिस्सा मैं दरबान को दूंगा। तब अकबर ने गुस्से में आकर दरबान को 100 कोड़े लगवाए और महेश दास की होशियारी देखकर अपने दरबार में मुख्य सलाहकार के रूप में रख लिया। इसके बाद अकबर ने उनका नाम बदलकर महेश दास से बीरबल कर दिया। तब से लेकर आज तक अकबर और बीरबल के कई किस्से मशहूर हुए।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

भागदौड़ भरी दिनचर्या और खान-पान में अनियमितता के चलते असंतुष्ट महसूस कर सकते हैं। दिन थोड़ा परेशानी वाला हो सकता है। आपके मन में सकारात्मकता रहेगी।

वृषभ

ऑफिस में बड़े अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आमदनी में इजाफा होने के आसार नजर आ रहे हैं। पूरे दिन खुद को बेहतर फील करेंगे।

मिथुन

आज आपका अपनी माताजी से कोई वैचारिक मतभेद हो सकता है, जिसकी वजह से आपके परिवार के सदस्यों के बीच भी अशांति का माहौल रहेगा।

कर्क

आज वाद-विवाद करने से बचें। लव पार्टनर आपकी मजबूरी समझने की कोशिश करेगा। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। पार्टनर के साथ समय बीतेगा।

सिंह

परिवार वालों के साथ खुशी के पल बितायेंगे। इस राशि के ग्रेजुएशन कर रहे स्टूडेंट्स के लिए दिन शानदार रहने वाला है। दोस्तों और शिक्षकों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा।

कन्या

आज का दिन मिश्रित परिणाम लेकर आएगा। यदि आपके पिताजी को कोई शारीरिक कष्ट है, तो उसमें आज वृद्धि हो सकती है, जिसके कारण आपका मन परेशान रहेगा।

तुला

कामकाज में एकाग्रता न होने से परेशान रहेंगे। दुश्मन परेशान करने की कोशिश करेंगे। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीजें आपके पक्ष में जाती हुई नजर आ रही हैं।

वृश्चिक

स्वास्थ्य के लिहाज से दिन अच्छा रहने वाला है। घरेलू कार्यों में व्यस्तता बढ़ने की संभावना है। परिवार में किसी मांगलिक कार्य की योजना बनेगी।

धनु

आज का दिन आपके लिए भागदौड़ भरा रहेगा। आज व्यवसाय में कुछ नहीं डीलों को फाइनल करने के कारण आप व्यस्त रहेंगे।

मकर

आज अपनों से अनापेक्षित मुलाकात के प्रबल संकेत हैं। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। मित्रों का सहयोग मिलेगा। आज आप अपने आप में ही मस्त रहेंगे।

कुम्भ

परिवार वालों के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताने का मौका मिलेगा। इस राशि के बुक सेलर्स के लिए दिन लाभ दिलाने वाला रहेगा। बिजनेस में आपकी तरक्की सुनिश्चित होगी।

मीन

आज का दिन आपके लिए निश्चित रूप से फलदायक रहेगा। आज आपको कुछ मानसिक तनाव बना रहेगा, जिसके कारण आप अपने बिजनेस पर ध्यान कम देंगे।

बदलाव लाने वाली फिल्में बनाना चाहते हैं अक्षय

बोले- समाज ने जो दिया, उसे वापस करने का यही तरीका

कला के साथ व्यापार भी फिल्मों का अहम हिस्सा है। फिल्में बड़ी लागत के साथ बनाई जाती हैं। ऐसे में वह लागत, मुनाफे के साथ वापस पाने की चाहत निर्माताओं में होती है। बात करें अभिनेता अक्षय कुमार की, तो निर्माता बनने को लेकर उनकी चाहत, बाकी निर्माताओं से थोड़ी अलग रही। वह सामाजिक विषयों से जुड़ी फिल्में पैड मैन, टायलेट- एक प्रेम कथा समेत कई फिल्में बना चुके हैं। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान अक्षय ने कहा कि समाज ने जो मुझे दिया है, उसे वापस करने का ये मेरा तरीका है। मुझे पता है कि मैं एक सिंह इज किंग, सूर्यवंशी या राउडी राठौड़ फिल्में करूंगा, तो इससे तीन-चार गुना ज्यादा कमाऊंगा, लेकिन यह पैसे की बात नहीं है। यह अहसास जीवन में बहुत पहले ही हो गया था, लेकिन तब मेरे पास इतने पैसे नहीं थे कि मैं फिल्में प्रोड्यूस कर सकूं। जब मैंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू की, तो मैं ऐसी फिल्में बनाने लग गया। मुझे ऐसी फिल्में बनाने का शौक है, क्योंकि मेरा पारिवारिक माहौल ऐसा रहा है। मैंने कभी अपने माता-पिता को झगड़ा करते नहीं देखा। हमारे पास बहुत पैसे नहीं थे। 100 रुपये का किराया देकर हम मुंबई के एक छोटे से घर में रहते थे। लेकिन एक दिन ऐसा नहीं जाता था, जब हम हंसते-खेलते नहीं थे। अब इतना पैसा है, फिर भी कभी कभार दुखी हो जाते हैं। आगे जब अक्षय से पूछा गया कि क्या वह राजनीति में कभी जाना चाहेंगे? इस पर उन्होंने कहा नहीं, मैं राजनीति में नहीं जाना चाहता हूं। मैं फिल्में बनाने के लिए बना हूं। आगे का मुझे पता नहीं, लेकिन फिलहाल मैं फिल्में बनाना चाहता हूं, जिससे बदलाव आए।

सेना की वर्दी पहनना एक जिम्मेदारी है: विक्की

बॉलीवुड मसाला

विक्की कौशल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म सैम बहादुर को लेकर चर्चा में हैं। मेघना गुलजार के निर्देशन में बनी यह फिल्म भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की जिंदगी पर आधारित है। इस फिल्म में विक्की कौशल ने सैम मानेकशॉ का रोल अदा किया है। फिल्म का टीजर जारी हो चुका है। हाल ही में विक्की कौशल इस फिल्म के बारे में चर्चा करते नजर आए। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह किरदार उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा। विक्की कौशल का कहना है कि सैम मानेकशॉ का किरदार अदा करना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, भारतीय सेना की वर्दी पहनना और सैम मानेकशॉ की जैसी नेम प्लेट लगाना एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। इस पूरी प्रक्रिया में एडीजीपीआई और भारतीय सेना ने पूरा सपोर्ट किया, इसके लिए मैं उनका शुक्रगुजार हूं। विक्की कौशल ने कहा, जब भी मैं उनसे मिला उन्होंने हमेशा यही कहा, ढंग से करना, वह हमारे जांबाज हैं। इसलिए कुछ प्रेशर भी हमेशा बना रहा। मैंने हर बार यही कहा, हम अपनी पूरी जान लगा रहे हैं। हमने वाकई बहुत कठिन मेहनत की है। जब आप सैम मानेकशॉ की यूनिफॉर्म पहन रहे हैं तो बतौर अभिनेता आपकी जिम्मेदारी बढ़ जाती है। अभिनेता ने कहा, मुझे उनकी युवा उम्र की भूमिका अदा करनी थी, जिसकी बहुत ज्यादा जानकारियां नहीं मिल पा रही थीं। सिर्फ कुछ फोटो डॉक्यूमेंट ही मौजूद थे। हम कई बार उनके पोते से मिले। उनसे पूछा कि वह किस तरह चलते थे, उनकी बॉडी लैंग्वेज कैसी थी। अपने किरदार को मजबूत बनाने के लिए ये जानकारियां मेरे बहुत काम आईं। बता दें कि यह फिल्म इसी साल पहली दिसंबर को रिलीज होने जा रही है। बॉक्स ऑफिस पर इसका मुकाबला रणबीर कपूर की एनिमल से होगा।

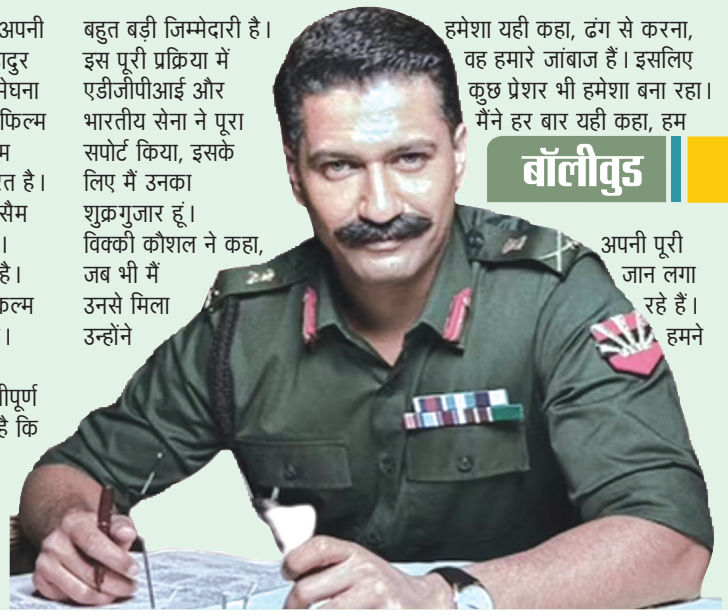

बॉलीवुड मन की बात

शिबानी ने थैंक यू फॉर कमिंग को बताया क्रिएटिव ऑर्गेज्म

लोकप्रिय कंटेंट निर्माता और अभिनेत्री शिबानी बेदी अपनी हालिया रिलीज फिल्म थैंक यू ऑफर कमिंग को लेकर चर्चा में हैं। यह महिला एक महिला केंद्रित फिल्म बताई जा रही है, हालांकि, क्रिटिक्स से इसे खास प्रतिक्रिया नहीं मिली है। अब शिबानी बेदी ने फिल्म को क्रिएटिव ऑर्गेज्म बताया। इसके साथ ही अभिनेत्री ने अपने किरदार के पीछे की प्रेरणा का भी खुलासा किया है। शिबानी बेदी ने हाल ही में, खुलासा किया कि फिल्म थैंक यू फॉर कमिंग साइन करने से पहले उनके मन में कोई आशंका नहीं थी। साथ ही अभिनेत्री ने यह भी बताया कि सिंगल मदर के रूप में अपनी भूमिका के लिए उन्हें अपने माता-पिता से काफी सपोर्ट मिला था और वह इस भूमिका को कर के काफी खुशी थीं। गौरतलब है कि शिबानी बेदी ने फिल्म में एक अकेली मां की भूमिका निभाई है, जो हमेशा अपने दोस्तों के लिए मौजूद रहती है। अपनी बेटी के लिए एक अच्छा जीवन बनाती है। यह मां अपनी बेटी को सारी खुशियां देने के लिए तैयार रहती है। अपनी भूमिका के बारे में और बताते हुए शिबानी ने कहा कि फिल्म में उनकी भूमिका के लिए उन्हें अपने माता-पिता से सपोर्ट मिला था। शिबानी बेदी ने कहा, मुझे ऐसा लगता है कि थैंक यू फॉर कमिंग में हम जो किरदार निभा रहे हैं, उसमें हमने अपना पूरा दमखम लगा दिया है। यह शायद मेरे लिए सबसे दिलचस्प यात्रा रही है। मैंने सेट पर बहुत अच्छा समय बिताया। सेट पर लोगों का एक बहुत ही मजेदार, बुद्धिमान ग्रुप था, जो कलाकारों के साथ सहयोग भी कर रहा था। बता दें कि करण बुलानी द्वारा निर्देशित, थैंक यू फॉर कमिंग 30 साल की एक महिला की कहानी बताती है, जिसने कभी भी ऑर्गेज्म का अनुभव नहीं किया है। फिल्म में भूमि पेडनेकर के अलावा शहनाज गिल, कुशा कपिला, डॉली सिंह और शिबानी बेदी भी अहम रोल में हैं।

इस गांव में हर किसी के पास है खुद का हवाई जहाज, ऑफिस भी जाते हैं प्लेन से

आजकल हर घर में कार और बाइक होना आम बात है। जब हमें कहीं जाना होता है तो हम बाइक या कार निकालते हैं और चल पड़ते हैं अपनी मंजिल की तरफ। लेकिन अगर आपको बताएं कि एक गांव ऐसा भी है, जहां हर घर में हवाई जहाज है। जी हां यह सच है कि इस गांव में हर घर में प्लेन है और इन लोगों के लिए यह इतना ही सामान्य है जितना घरों में बाइक या कार का होना। यहां लोगों को चाहे ऑफिस जाना हो या कहीं और ये हवाई जहाज में ही जाते हैं। यह गांव अमरीका के कैलिफोर्निया में है। यह गांव आम गांवों से अलग है। इस जगह का नाम कैमरन एयर पार्क है। इस गांव में हर घर के सामने एक एयरक्राफ्ट खड़ा रहता है। यहां के लोगों को कहीं भी जाना हो, गाड़ी की तरह सीधा प्लेन निकल पड़ता है। ये गांव चर्चा में तब आया, जब इससे जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे। यहां की सड़कें भी रनवे की तरह बहुत चौड़ी हैं। इस गांव में यहां चौड़ी-चौड़ी सड़कें बनी हैं, ताकि इनका इस्तेमाल रनवे की तरह हवाई अड्डे तक पहुंचने के लिए किया जा सके। इस गांव के हर घर के बाहर गैराज की तरह हैंगर बने हुए हैं, जहां लोग अपने एयरक्राफ्ट को खड़ा करते हैं। यहां रहने वाले ज्यादातर लोग पायलट हैं और ये अपने एयरक्राफ्ट को खुद ही उड़ाते हैं। दरअसल, ये एक तरह की फ्लाई इन कम्युनिटी है, जहां शनिवार की सुबह इकट्ठा होकर लोग साथ में लोकल एयरपोर्ट तक जाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अनुमान है कि अमरीका में इस तरह के करीब 610 एयर पार्क हैं, जहां घर-घर में प्लेन मौजूद है। दरअसल, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जो एयरफील्ड बने थे, उन्हें बदला नहीं गया और उन्हें रेसिडेंशियल एयर पार्क बना दिया गया। यहां रिटायर्ड मिलिट्री पायलट रहते हैं। 1946 के दौरान अमरीका में कुल 4 लाख पायलट थे, जिन्होंने इन एयर पार्क्स में रहना शुरू किया। कैमरन पार्क साल 1963 में बना था और यहां कुल 124 घर हैं। यहां सड़कों के नाम भी एयरक्राफ्ट्स के नाम पर ही रखे गए हैं और स्ट्रीट साइन भी एयरक्राफ्ट फ्रेंडली बनाए गए हैं।

अजब-गजब | **एलियन जैसा घातक है यह जीव**

खून चूसकर शिकार को उतार देता है मौत के घाट

'एलियन' जैसा परजीवी ततैया अमेजन में खोजा गया है, जो अपने परपोषी को अंदर से खाने से पहले उसका खून चूसता है, जिसका नाम कैपिटोजोप्पा अमेजोनिका रखा गया है, जोकि बहुत ही खतरनाक है। यह परजीवी ततैया चमकीले पीले रंग का होता है। अपने बड़े बादाम के आकार के सिर के कारण सिर्फ 'एलियन' जैसा ही नहीं है, बल्कि यह जीव अपने अपने शिकार के अंदर अपने अंडे देता है। उसके शिकार को इनक्यूबेट में बदल देता है। यह रिडले स्कॉट के 1979 के हॉरर क्लासिक एलियन के भयभीत 'जेनोमोर्फ' के विपरीत नहीं है, जिसे देख कर ही आपको डर लगने लगेगा। डेलीमेल की रिपोर्ट के अनुसार, यूटा स्टेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने पेरू में अल्लपाहुयो-मिशाना के नेशनल रिजर्व का सर्वे करते हुए नए जीनस की पहचान की। टीम ने इस परजीवी ततैया को पकड़ा है, जो अपने परपोषी के शरीर का उपयोग अंडे देने के लिए करती है। यह कैटरपिलर, बीटल और मकड़ियों जैसे जीवों को अपना शिकार बनाती है। कैपिटोजोप्पा अमेजोनिका को लेकर बायोलॉजिस्ट ब्रैंडन क्लैरिज ने नई स्टडी लिखी है। उनके अनुसार, इस शिकारी ततैया को 'सॉलिटरी एंडोपारासिटॉइड' के रूप में जाना जाता है। एक परजीवी, जो अपने परपोषी के अंदर एक अंडा देता है, जो परिपक्व होने पर उस परपोषी को मार देता है। एक बार अंडे सेने के बाद, परजीवी ततैया का लार्वा पिशाच की तरह अपनी मदर के कीट शिकार के अंदर का भोजन करता है। युवा ततैया अपने परपोषी के खून जैसे 'हेमोलिम्फ' तरल पदार्थ को अंदर से बाहर तक खाने से पहले चूसना शुरू कर देता है। ये परपोषी जीव कैटरपिलर, बीटल और मकड़ियों सहित अन्य इस तरह के जीव हो सकते हैं। यह ततैया किसी भी पुराने कीट में अपना एक अंडा नहीं देती है। रिसर्चर्स ने नोट किया कि यह घातक परजीवी ततैया उन 109 नई प्रजातियों में से एक थी, जिन्हें टीम ने इस नेशनल रिजर्व में अपने मलाइस ट्रैप के माध्यम से खोजा है। क्लैरिज ने एक बयान में कहा, 'हमने कई अज्ञात प्रजातियों की खोज की है, जिनका वर्णन हम भविष्य में करेंगे। वर्तमान अध्ययन इस रिसर्च की शुरुआत करता है।'

बेटियां पूछ रहीं सीएम ने क्यों बांटी नकली टीवी : कमलनाथ

बोले- शिवराज से आशा है कि नवरात्रि में कन्याओं से नहीं बोलेंगे झूठ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पीसीसी चीफ कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि शिवराज जी, मुझे आशा थी कि नवरात्रि के पवित्र दिनों में तो कम से कम आप कन्याओं से झूठ नहीं बोलेंगे। कन्या विवाह की राशि को लेकर आपने आज एक झूठा सवाल मेरी ओर उछाला। प्रदेश की बेटियां पूछ रही हैं कि बेटियों को दिए जाने वाली कन्या विवाह राशि में शिवराज सिंह चौहान ने घोटाला क्यों किया? उन्हें नकली टीवी क्यों बांटी? सामूहिक विवाह का धोखा देकर आदिवासी बच्चियों का प्रेगनेंसी टेस्ट क्यों कराया? अपने तमाशे के लिए बेटियों के सामूहिक विवाह कई-कई महीने तक क्यों रुकवाए? शिवराज जी, सवाल नहीं, प्रायश्चित कीजिए।

बता दें सीएम शिवराज ने नवरात्र में दतिया में प्रसिद्ध पीतामंबर पीठ मंदिर मं मां पीतांबरा के दर्शन एवं पूजन कर चुनाव अभियान प्रारंभ किया। सीएम ने दतिया में नरोत्तम मिश्रा, लहार में अमरीश शर्मा और दिमनी में नरेंद्र सिंह तोमर के लिए समर्थन मांगा। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और पूर्व सीएम कमलनाथ पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उन्होंने सवाल करते हुए कहा क कांग्रेस की 15 महीने की सरकार में कन्या विवाह योजना के 51 हजार रुपए बहनों को क्यों नहीं दिए?

पहली सूची जारी होते ही कांग्रेस में नाराजगी

मध्यप्रदेश की 230 विधानसभा में से कांग्रेस ने सोमवार को 144 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। घोषणा होने के साथ कहीं खुशी तो कहीं गम का माहौल नजर आ रहा है। उज्जैन उत्तर में कांग्रेस प्रत्याशी माया राजेश त्रिवेदी का विरोध शुरू हो चुका है, जिसके लिए शहर के कुछ स्थानों पर माया राजेश त्रिवेदी के पुतले जलाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। उत्तर विधानसभा में माया त्रिवेदी को टिकट मिलते ही कांग्रेस में बगावत का दौर शुरू हो गया है। कई जगह माया त्रिवेदी का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस ने उज्जैन उत्तर विधानसभा क्षेत्र से माया त्रिवेदी को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। इसके चलते कई दावेदारों और उनके समर्थकों ने नाराजगी जताई है। उज्जैन उत्तर विधानसभा की प्रत्याशी माया राजेश त्रिवेदी के कंठाल, कोयला फाटक, आगर नाका और कांग्रेस ऑफिस सहित कई जगह पुतले जलाए गए हैं।

चंबल में भाजपा के चार बार के विधायक रसाल सिंह ने दिया इस्तीफा

मध्यप्रदेश में चुनाव की घोषणा के साथ ही बीजेपी कांग्रेस में नाराज़ नेताओं के दलबदल का सिलसिला जारी है। एक और प्रदेश की हाई प्रोफाइल सीट लहार में नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह को हराने के लिए भाजपा प्रत्याशी अंबरीश शर्मा के समर्थन में खुद मुख्यमंत्री मैदान में नज़र आ रहे हैं तो वहीं इस बीच टिकट कटने से नाराज भाजपा के पूर्व विधायक रसाल सिंह ने पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। पूर्व विधायक ने इस्तीफे में इस तरह व्यक्त की

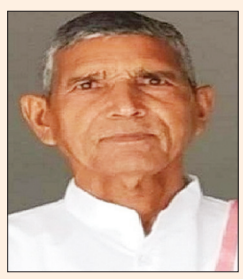

नाराजगी मैने भाजपा संगठन के एक कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में अपना सारा जीवन समर्पित कर दिया है। सदैव संगठन के हित में कार्य किया लेकिन चूंकि संगठन ने पार्टी के साथ गद्दारी करने वाले नेता को बढ़ावा देकर बिना किसी को सुने चुनावी रण में उतारकर पार्टी में लोकतंत्र की हत्या की गई है। ऐसे में मेरा उनके लिए प्रचार करना मेरे स्वाभिमान के साथ न्याय नहीं होगा। पूर्व विधायक रसाल सिंह ने अपने सोशल मीडिया पर इस्तीफे की कॉपी पोस्ट कर बीजेपी छोड़ने की सूचना सार्वजनिक की है। बता दें कि क्षेत्र में क़यास है कि पूर्व विधायक रसाल सिंह भाजपा छोड़ने के बाद जल्द ही बहुजन समाज पार्टी जॉइन कर सकते हैं और लहार से चुनाव भी लड़ सकते हैं। हालांकि उनका एक बार फिर मैदान में आना बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही दलों को इस चुनाव में नुकसान पहुंचाएगा।

दलों की फंडिंग के केस की 'सुप्रीम' सुनवाई 30 को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजनीतिक दलों को इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए चंदा मिलने के मामले को अब सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की पीठ सुनवाई करेगी। सोमवार को ही इस मामले में याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने यह आदेश दिया। कोर्ट ने पांच जजों की पीठ द्वारा इस मामले पर सुनवाई के लिए 30 अक्टूबर की तारीख भी मुकर्रर कर दी।

कोर्ट ने कहा कि उसे इलेक्टोरल बॉन्ड की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर एक आवेदन मिला, जिसमें कहा गया था कि इस पर अंतिम निर्णय के लिए इसे बड़ी बेंच के पास भेजा जाए। गौरतलब है कि इससे पहले वकील प्रशांत भूषण ने बेंच के सामने कहा था कि 2024 के आम चुनाव के लिए यह योजना शुरू होने से पहले इसका न्यायिक परीक्षण जरूरी है। गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से पेश भूषण ने कहा, चुनावी बॉन्ड के जरिये अज्ञात स्त्रोतों से होने वाली फंडिंग भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है और भ्रष्टाचार मुक्त देश में रहने के नागरिकों के अधिकार का हनन कर रही है। यह संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है।

फोटो : 4पीएम

दौरा आज सुबह देवरिया हत्याकांड के पीड़ित परिवारों से मिलने जाते समय आजमगढ़ में पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलते अखिलेश यादव।

गैस सिलिंडर में आग लगने से मां समेत बच्चों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फतेहपुर। फतेहपुर के बहुआ में खाना बनाते समय गैस सिलिंडर का पाइप लीकेज होने से आग लग गई। हादसे में मां व दो बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए। तीनों की कानपुर में इलाज दौरान मौत हो गए। तीनों के शाम को शव गांव पहुंचे। पूरा गांव गमगीन हो गया।

ललौली थाना इलाके के खटौली गांव निवासी उमेश विश्वकर्मा फर्नीचर कारीगर है। वह सुबह बहुआ स्थित दुकान में काम पर गया था। उसकी पत्नी अल्का देवी (27) करीब साढ़े 10 बजे गैस चूल्हे में खाना पका रही थी। कमरे में ही बेटा गौरव कुमार (5) और बेटी परी (2) मौजूद थे। पति ने बताया कि नवरात्रि का प्रथम दिन व्रत में है। वह सुबह घर से काम पर चला गया था।

» कलेजे के टुकड़े हाथ में और स्ट्रेचर पर पत्नी...भटकता रहा पति, फतेहपुर में दर्दनाक हादसा

गैस सिलिंडर पाइप में लीकेज होने की वजह से पत्नी को आग लग गई। दोनों बच्चे लगता है कि पत्नी को बचाने में झुलस गए। शोर सुनकर पड़ोसी पहुंचे। पड़ोसियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। खबर मिलते ही घर पहुंचा। घर से तीनों को जिला अस्पताल ले गया।

डॉक्टर ने तीनों की हालत नाजुक देखकर कानपुर हैलट रेफर किया। कानपुर में इलाज के दौरान तीनों की बारी-बारी से मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। फिलहाल कोई आरोप नहीं लगाया गया है। पोस्टमार्टम के लिए शवों को भेजा जाएगा। पीड़ित पति ने बताया कि पत्नी और मासूम बच्चों के पिता का एक-एक कर साथ छूटता चला गया। युवक के सामने एक के बाद एक कर तीनों की तड़प कर मौत हुई। वह कुछ न कर पाने के लिए खुद को कोसता दिखा। एक झटके में पूरा परिवार खत्म हो गया। मृतका अल्का शर्मा खागा कोतवाली के हरदों निवासी कमलेश की पुत्री थी। घटना की खबर कमलेश और मां रत्नो देवी बेटी के घर पहुंचे। वह बेटी और नाती-नातिन का शव देखकर बदहवास हो गए।

मृतका का भाई दिल्ली में रहता है। हादसे के बाद उमेश पत्नी व बच्चों को लेकर जिला अस्पताल ले गया। प्राइवेट एंबुलेंस से तीनों को कानपुर के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां डाक्टर ने बेटे गौरव को मृत घोषित कर दिया। बाकी दोनों को हैलट लेकर जाने की सलाह दी। कलेजे के टुकड़े गौरव का शव सीने से लगाए उमेश पत्नी और बेटी को हैलट ले गया। हैलट में बेटी परी को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

अफगानिस्तान ने बनाया इंग्लैंड को उलटफेर का शिकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विश्व कप 2023 में गत चैंपियन इंग्लैंड की टीम रविवार को उलटफेर का शिकार हो गई। अंग्रेजों की टीम को अफगानिस्तान ने हरा दिया। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी की और पूरी टीम 49.5 ओवर में 284 रन पर ऑलआउट हुई। जवाब में इंग्लैंड की टीम 40.3 ओवर में 215 रन पर ऑलआउट हुई। इस तरह अफगानिस्तान ने इंग्लैंड को 69 रन से पटखनी देकर बड़ा उलटफेर किया।

विश्वकप : अफगानी टीम ने अंग्रेजों को 69 रनों से रौंदा

इंग्लैंड की यह तीन मैचों में दूसरी हार थी। इससे पहले उसे न्यूजीलैंड के हाथों 9 विकेट की करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी। जोस बटलर के नेतृत्व वाली इंग्लैंड की टीम वर्ल्ड कप 2023 की प्वाइंट्स टेबल में पांचवें नंबर पर काबिज है। वहीं अफगानिस्तान ने मौजूदा वर्ल्ड कप में अपनी जीत का खाता खोला और वो छठे स्थान पर है।

वहीं इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर सैम करन गलत कारण से सुर्खियों में छाए हुए हैं। करन का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो कैमरामैन के साथ गलत व्यवहार करते हुए नजर आए। यह घटना दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में इंग्लैंड और अफगानिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले की है। सैम करन पारी का 9वां ओवर कर रहे थे। इस ओवर में दो चौके और एक छक्के सहित कुल 20 रन खर्च हुए। ओवर पूरा करने के बाद सैम करन बाउंड्री लाइन पर फील्डिंग कर रहे थे। तब प्रसारणकर्ता के कैमरामैन ने इंग्लिश ऑलराउंडर पर फोकस किया।

सैम करन ने गुस्से में कैमरा पकड़कर दूसरी तरफ घूमा दिया। करन ने साथ ही कैमरामैन को संकेत दिया कि मैदान के करीब नहीं आएं। सैम करन की इस हरकत को सोशल मीडिया पर बहुत उछाला गया। इंग्लिश ऑलराउंडर के इस रवैये की जमकर आलोचना की गई। करन का अफगानिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन भी खराब रहा। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने 4 ओवर में 46 रन खर्च किए जबकि कोई सफलता हासिल नहीं की। सैम करन ही क्या, पूरी इंग्लिश टीम के लिए अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबला काफी निराशाजनक रहा।

कैश फॉर क्वेरी के आरोपों पर वार-पलटवार शुरू

राउत बोले- मनोबल गिराने की कोशिश कर रही भाजपा

» महुआ मोइत्रा पर निशिकांत दुबे ने लगाए थे पैसे लेकर प्रश्न पूछने के आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कैश फॉर क्वेरी आरोपों को लेकर सियासत गरमा गई है। शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने महुआ मोइत्रा के संसद में पैसे लेकी सवाल पूछने के मुद्दे पर भाजपा को घेरा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के पेट में बहुत दर्द होता है और फिर वो अनाप-शनाप आरोप लगाने लगते हैं। महुआ मोइत्रा टीएमसी की बहुत ही जुझारू नेता हैं पूरे देश में उनका नाम हैं।

दरअसल, महुआ मोइत्रा के खिलाफ लोकसभा सांसद निशिकांत दुबे के कैश फॉर क्वेरी आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने सोमवार को कहा कि यह तृणमूल कांग्रेस नेता का मनोबल गिराने का एक प्रयास था। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी को अडानी सहित किसी भी उद्योगपति पर सवाल उठाना बर्दाश्त नहीं है, यही वजह है कि वे ऐसे आरोप लगाते हैं। उन्होंने कहा कि महुआ मोइत्रा टीएमसी की एक प्रसिद्ध नेता हैं और वे (भाजपा) उनका मनोबल गिराने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं उनको जानता हूं वो ऐसे आरोप से पीछे हटने वाली नहीं हैं। ये लोग सबको बदनाम करते हैं...ये सबके ऊपर आरोप लगाते हैं। आप पीएम केयर फंड के बारे में जवाब दीजिए। राहुल गांधी ने आपसे पैसे की लेन-देन के बारे में 10 सवाल पूछा था आप उसका जवाब दीजिए। 2024 में आप सत्ता में नहीं आ रहे हैं इंडिया गठबंधन आने वाली है। रविवार को, दुबे ने मोइत्रा पर संसद में सवाल पूछने के लिए व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी से रिश्वत लेने का आरोप लगाया और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से उनके खिलाफ आरोपों की जांच के लिए एक जांच समिति गठित करने का आग्रह किया। इसको लेकर राजनीतिक बवाल मचा हुआ है।

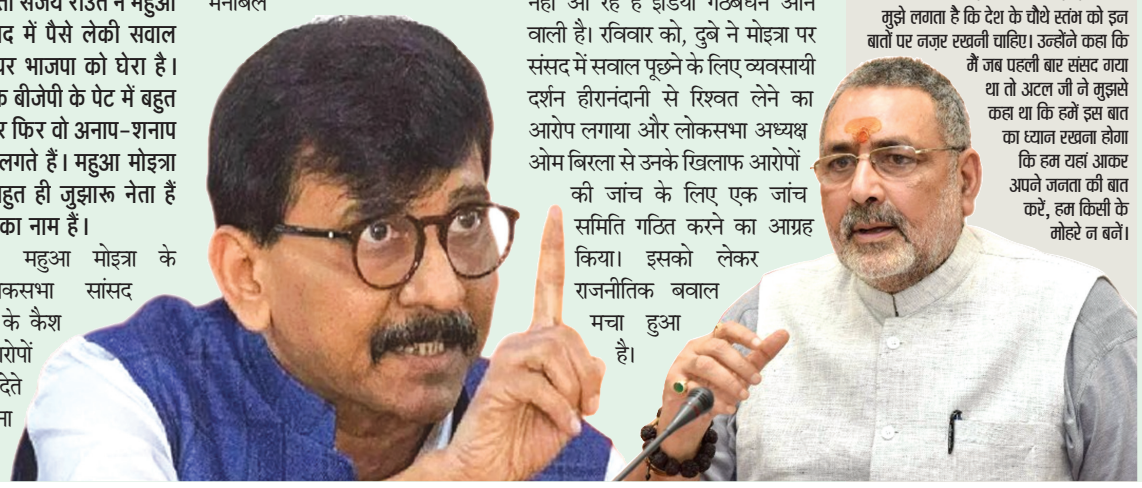

निशिकांत की संसद में विश्वसनीयता है : गिरिराज

पूरे मामले पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, निशिकांत दुबे एक सम्मानित सांसद हैं, वे तथ्यों के साथ खड़े होते हैं। निशिकांत की संसद में विश्वसनीयता है। अगर उन्होंने पत्र लिखा है तो उनकी विश्वसनीयता को नकारा नहीं जा सकता। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि आज संसद की बहस का दिन नहीं है लेकिन मुझे लगता है कि देश के चौथे स्तंभ को इन बातों पर नज़र रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं जब पहली बार संसद गया था तो अटल जी ने मुझसे कहा था कि हमें इस बात का ध्यान रखना होगा कि हम यहां आकर अपने जनता की बात करें, हम किसी के मोहरे न बनें।

प्रचार के लिए सेना का इस्तेमाल करना ओछी हरकत : जयराम रमेश

» कांग्रेस का मोदी सरकार पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को सरकार पर अपने राजनीतिक प्रचार के लिए सेना का इस्तेमाल पर भाजपा की मोदी सरकार को घेर लिया है। कांग्रेस ने सरकार ने ऐसा करके घटिया प्रयास करने का आरोप लगाया। इसके अलावा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की। बता दें, हाल ही में एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि सेना देश भर में सरकारी योजनाओं के प्रचार में मदद करेगी। इसी पर कांग्रेस ने टिप्पणी की है।

कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि भारत की सेना पूरे देश की सेना है। हमें गर्व है कि हमारी बहादुर सेना कभी भी देश की आंतरिक राजनीति का हिस्सा नहीं बनी। उन्होंने आगे कहा कि पिछले साढ़े नौ साल के दौरान महंगाई, बेरोजगारी व अन्य सभी मोर्चों पर विफलता का सामना करने के बाद मोदी सरकार अब सेना से अपना राजनीतिक प्रचार पाने का बहुत घटिया प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सेना का राजनीतिकरण करने का यह प्रयास एक बहुत ही खतरनाक कदम है। रमेश ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से अनुरोध किया कि वे इस मामले में हस्तक्षेप करके मोदी सरकार को इस गलत कदम को तुरंत वापस लेने का निर्देश दें। गौरतलब हो कि 2019 के चुनाव में पुलवामा कांड का भी भाजपा ने चुनावों में इस्तेमाल करने का प्रयास किया था।

उत्तराखंड में भूकंप के झटके, मचा हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में आज फिर भूकंप से धरती कांप उठी। प्रदेश के पिथौरागढ़ में आज सोमवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं, जिसके बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.0 मापी गई है। गनीमत ये रही है, इस मामले में अभी तक किसी प्रकार के नुकसान की कोई खबर नहीं है, पिछले कुछ दिनों में इस इलाके में कई बार भूकंप के झटके महसूस हुए हैं, जिसे लेकर भी लोग परेशान है।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक पिथौरागढ़ में आए भूकंप की रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.0 मापी गई है,ये पिथौरागढ़ से 48 किमी उत्तर पूर्व में 5 किमी की गहराई में आया, भूकंप के झटके महसूस होने के बाद लोग घबराकर अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए, जिसके बाद आसपास काफी अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला। इससे पहले भी 5 अक्टूबर को उत्तरकाशी में भी भूकंप महसूस हुए थे।

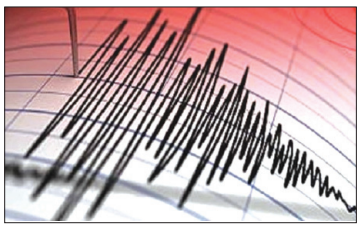

भाजपा ने मणिपुर के विचार को नष्ट किया : राहुल

» इजराइल में ज्यादा ही दिलचस्पी दिखा रहे पीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को मिजोरम में एक चुनावी रैली के दौरान मणिपुर हिंसा का मुद्दा उठाया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर मणिपुर के विचार को नष्ट करने का आरोप लगाया। अपने बयान में राहुल ने कहा कि कुछ महीने पहले मैं मणिपुर गया था। मणिपुर के विचार को भाजपा ने नष्ट कर दिया है। यह अब एक राज्य नहीं, बल्कि दो राज्य हैं।

उन्होंने कहा कि लोगों की हत्या कर दी गई, महिलाओं से छेड़छाड़ की गई और बच्चों की हत्या कर दी गई, लेकिन प्रधानमंत्री को वहां यात्रा करना महत्वपूर्ण नहीं लगता। मणिपुर में सबसे पहले झड़पें 3 मई को चूड़ाचांदपुर शहर में हुईं, जब जनजातीय समूहों ने राज्य के आरक्षण मैट्रिक्स में प्रस्तावित बदलाव के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया, जिसमें मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिया गया था। गांधी ने कहा, यह मेरे लिए आश्चर्यजनक है कि प्रधान मंत्री और भारत सरकार को इज़राइल में क्या हो रहा है, इसमें इतनी दिलचस्पी है, लेकिन मणिपुर में क्या हो रहा है, इसमें बिल्कुल भी दिलचस्पी नहीं है। भारत जोड़ो के विचार ने भारत को जीत दिलाई, आपसी सम्मान, सहिष्णुता, दूसरों के विचारों, भाषाओं और धर्मों से सीखने और एक एकीकृत शक्ति के रूप में प्रेम को अपनाने को बढ़ावा दिया।

डॉन बबलू श्रीवास्तव की कोर्ट में आज पेशी

» बरेली जेल से प्रयागराज के लिए रवाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। डॉन बबलू श्रीवास्तव की आज सोमवार को प्रयागराज कोर्ट में पेशी होनी है। बरेली जेल से प्रयागराज के लिए पुलिस का काफिला डॉन को लेकर रवाना हो चुका है। कोर्ट के आसपास पहले से ही कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। सादी वर्दी में पुलिस निगरानी कर रही है। सुबह से ही कचहरी परिसर में स्पेशल फोर्स के जवानों ने डेरा डाल रखा है। परिसर में आने वाले लोगों की तलाशी ली जा रही है सादे ड्रेस में फोर्स के जवान अधिवक्ताओं के चैंबरों के आसपास घूम कर नजर बनाए है।

डॉन बबलू श्रीवास्तव की बरेली से प्रयागराज कोर्ट में पेशी कराने के लिए दो कंपनी पीएसी, दो कंपनी आरएएफ, 13 थानाध्यक्ष, 60 दारोगा और 150 सिपाहियों को तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त सादी वर्दी में भी संदिग्धों पर निगरानी रखी जा रही है। एक दिन पहले ही एडीसीपी प्रोटोकाल रविशंकर निम, एडीसीपी क्राइम सतीश चंद्र और एसीपी राजेश कुमार यादव ने कचहरी परिसर में सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लिया था। कुछ स्थानों और सड़क पर बैरीकेडिंग लगाई गई है। जिस प्रकार पुलिस कस्टडी में माफियाओं और अपराधियों की हत्या हो रही है। उसके मद्देनजर बबलू श्रीवास्तव को लेकर पुलिस अलर्ट पर है। सुरक्षा के लिए कई घेरों में बंदोबस्त किया गया है। पेशी के दौरान ड्यूटी करने वाले सभी पुलिसकर्मियों को विशेष सतर्कता बरतने की हिदायत अधिकारियों द्वारा दी गई है।

पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था सख्त

बता दें 15 अप्रैल को माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की प्रयागराज में तीन युवकों ने काल्विन अस्पताल के सामने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उमेश पाल हत्याकांड मामले में पुलिस ने दोनों को रिमांड पर लिया गया था। हत्या वाले दिन दोनों पुलिस के साथ निशानदेही के लिए गए थे। वापसी में उनका मेडिकल काल्विन अस्पताल में हुआ था। वहां से निकलने के बाद मीडिया कर्मियों के भेष में आए अरुण, सनी और मोहित ने मौका पाते ही अतीक-अशरफ को गोलियों से भून दिया था। वहीं राजधानी लखनऊ में पुलिस संजीव महेश्वरी उर्फ जीवा को लखनऊ कोर्ट में पेशी कराने गई थी। वकील की भेष में आए युवक ने पुलिस के सामने ही सात जून को अदालत परिसर में गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड में तस्वीरें भी सामने आई थी। संजीव जीवा माफिया मुख्तार अंसारी का काफी करीबी गुर्गा था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।